जब होगा योग, यज्ञ और ध्यान। तभी बनेगा यह भारत महान।

यज्ञ से उत्पन्न

विभिन्न गैसों के वायुमंडल में आने पर

प्रकाश रासायनिक अभिक्रिया

(Photochemical process) द्वारा

Indoor एवं **outdoor** दोनों ही स्तरों पर

हानिकारक गैसें जैसे कि

CO_2, SO_2, और NO_2 पदार्थ

(harmful particles)

जैसे कि

PM 2.5, PM 10 और **RSPM** के स्तरों में

आश्चर्यजनक रूप से कमी आती हैं।

अयं यज्ञो भुवनस्य नाभिः। -ऋग्. 1.164.35 यह यज्ञ भुवन का केन्द्र है।